संगोष्ठी की अवधारणा

मीडिया को प्रारंभ से ही लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता रहा है। लेकिन वर्तमान समय में इसकी भूमिका केंद्रीय स्तंभ और आधार स्तंभ के रूप में भी हो गई है। ऐसा सिर्फ भारत के संदर्भ में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के जो वैश्विक ग्राम की अवधारणा में नजर आता है। ऐसे में मीडिया की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गयी है। यह भी कहा जाता है कि वैश्विक ग्राम की अवधारणा को स्थापित करने में सबसे व्यावहारिक भूमिका मीडिया की ही रही है। मीडिया के बदलते स्वरूप और बढ़ते दायरे के कारण इस दौर में जनमानस को सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाले माध्यम के रूप में भी मीडिया को देखा और आंका जाता है। सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक व सांस्कृतिक स्तर पर जो बदलाव हालिया वर्षों में हुए है, उसमें मीडिया की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण रही है। हालांकि मीडिया पर यह आरोप भी लगता रहा है कि यह लोकतंत्र की बजाए मीडिया तंत्र स्थापित करने में लगी है। मीडिया ने बदलाव के नाम पर जितने बनाव किये है, उससे ज्यादा बिगड़ाव भी किए है। आर्थिक व संस्थागत संसाधन के तौर पर बाजार पर निर्भर मीडिया ने बाजारवाद के जरिये व्यक्तिवाद को मानवीय समुदाय के यांत्रिकीकरण की प्रक्रिया को भी बढ़ावा दिया है। नतीजा यह हुआ है कि जितनी तेज तरक्की हुई है, सामाजिक स्तर पर जितने बदलाव हुए है उतनी ही तेजी से सामाजिक, पारिवारिक व व्यक्तिगत संस्थाओं व मूल्यों में गिरावट भी हुई है। ऐसे में मीडिया के साथ आध्यात्मिकता के सामंजस्य की भूमिका बढ़ती हुई दिखायी पड़ती है क्योंकि आध्यात्मिकता ही आज मूल्यों को बनाये–बचाये रखने व तनावरहित दुनिया बनाने में अहम भूमिका निभा सकती है। यहां जब आध्यात्मिकता की बात हो रही है तो यह धार्मिकता जैसी कोई बात नहीं है बल्कि इसका संबंध मूल्य आधारित पत्रकारिता से है। इसका मतलब ज्ञान–विज्ञान से लेकर चेतना के विकास में सरोकारों व मूल्यों से है। ऐसे में उक्त प्रस्तावित विषय पर चर्चा करना नये आयामों को उभारेगा और नये तर्कों के जरिये तथ्यों को भी स्थापित करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ायेगा।

राष्ट्रीय मीडिया संगोष्ठी के उप–विषय निम्नलिखित हैं–

1. मीडिया शक्ति का सार्थक हस्तक्षेप
2. जनमाध्यमों के सरोकार
3. मीडिया, संस्कृति और बाजार
4. आध्यात्मिकता, परंपरा और मीडिया
5. अभिव्यक्ति का विस्तार : सोशल मीडिया और वैकल्पिक मीडिया की भूमिका
6. मीडिया का राजनैतिक अर्थशास्त्र
7. मीडिया और नवाचार
8. दृश्य माध्यम की नैतिकता
9. कार्टून अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनाम मानहानि
10. भविष्य की मीडिया

राष्ट्रीय संगोष्ठी के अन्य आयाम–

1. मीडिया के नामचीन चेहरों के साथ परिचर्चा
2. मीडिया की सांस्कृतिक संध्या
3. वर्धा दर्शन/ बापू कुटी दर्शन (सेवाग्राम)

आमंत्रण –

राष्ट्रीय मीडिया संगोष्ठी हेतु प्रतिभागियों से शोध पत्र आमंत्रित हैं।
प्रतिभागी निम्नलिखित निर्देशों का पालन करते हुए अपने शोध पत्र का सारांश व पूर्ण शोध पत्र निर्धारित शुल्क के साथ भेज सकते हैं–
सारांश (अधिकतम 250 शब्द) भेजने की अंतिम तिथि – 20 मई, 2015
पूर्ण शोध पत्र भेजने की अंतिम तिथि (अधिकतम 2500 से 3000 शब्द)– 20 जून, 2015
शोध पत्र स्वीकृति की सूचना (चयनित प्रतिभागियों के ईमेल पते पर)– 25 मई, 2015
शोध पत्र (सारांश) व पूर्ण शोध पत्र mediaseminar2015@gmail.com ई–मेल पते पर भेजें

नोट– 1.प्रतिभागी अपना शोध पत्र हिंदी भाषा में भेजने हेतु कृति देव(16 फॉन्ट आकार) का प्रयोग करें।
2.चयनित लेखों/शोध पत्रों को संपादित करके ISBN पुस्तक के रुप में प्रकाशित किया जायेगा।

पत्रकारों को मीडिया एथिक्स पर ध्यान देना जरूरी है।

ज्ञान शक्ति मैत्री

राष्ट्रीय मीडिया संगोष्ठी

(ICSSR, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित)

Indian Council of Social Science Research

आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव

(28, 29, 30 जुलाई, 2015)

आयोजन समिति

मुख्य संरक्षक – प्रो० गिरीश्वर मिश्र
कुलपति, म०गां०अं०हिं०विवि०,वर्धा

संरक्षक – प्रो० वितस्ता मिश्र
प्रति कुलपति, म०गां०अं०हिं०विवि०,वर्धा

मुख्य समन्वयक – प्रो० अनिल कुमार राय 'अंकित'
अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

कार्यकारी समन्वयक – डॉ० अख्तर आलम
सहायक प्रोफेसर, संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

संपर्क सूत्र – 09673797844, 07152–251170

कैसे पहुचे वर्धा–

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय शहर के पॉश इलाके से थोड़ी दूरी पर स्थित है। वर्धा भारत के सभी प्रमुख शहरों से सड़क, रेल एवं हवाई यात्रा (वाया–नागपुर) से जुड़ा हुआ है। नागपुर से 70 किलोमीटर दूरी पर बसे वर्धा तक बस, कार द्वारा लगभग एक से डेढ़ घंटे में पहुंचा जा सकता है। विश्वविद्यालय परिसर वर्धा रेलवे स्टेशन से 6 किलोमीटर एवं सेवाग्राम रेलवे स्टेशन से 9 किलोमीटर की दूरी पर है। मुम्बई से हावड़ा जाने वाली रेलगाड़ियां वर्धा स्टेशन पर तथा दक्षिणी की ओर जाने वाली रेलगाड़ियां सेवाग्राम रेलवे स्टेशन पर रुकती हैं। एक उभरते हुए व्यावसायिक केन्द्र होने के कारण नागपुर से मुम्बई (रोजाना 5 उड़ाने आगमन–प्रस्थान), नई दिल्ली (रोजाना 2 उड़ाने आगमन–प्रस्थान), हैदराबाद (रोजाना 1 उड़ान) तथा कोलकाता (रोजाना 1 उड़ान) तक हवाई यातायात की अच्छी सुविधा उपलब्ध है। नागपुर से वर्धा के लिए नियमित अंतराल पर बस सेवा उपलब्ध है जिससे विश्वविद्यालय परिसर तक पहुँचना आसान है।

आयोजक
संचार एव मीडिया अध्ययन केंद्र,
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र – 442001

आध्यात्मिकता का आशय मूल्य आधारित पत्रकारिता से है।

पंजीकरण फॉर्म

संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र, म०गां०अं०हिं०विवि०, वर्धा

आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव
(28, 29, 30 जुलाई, 2015)

नाम : .....

पद : .....

संस्थान : .....

पता : .....

.....

मोबाइल : .....

ई–मेल : .....

शोध पत्र का शीर्षक : .....

.....

ठहरने की व्यवस्था : आवश्यक है/नहीं है (टिक करें)

आगमन की तिथि व समय : .....
प्रस्थान की तिथि व समय : .....

स्थान :
दिनांक : .....
(हस्ताक्षर)

नोट – आवेदन कर्ता mediaseminar2015@gmail.com ई–मेल पते पर अपने पंजीयन फार्म की स्कैन कॉपी भेजे।

पंजीयन शुल्क :
1) शिक्षकों हेतु 700 रुपए
2) शोधार्थियों एवं मीडिया प्रोफेसनल हेतु 500 रुपए
3) विद्यार्थियों हेतु 300 रुपए

नोट: 1. पूर्व में पंजीकृत बाह्य प्रतिभागी अपना पंजीकरण शुल्क संगोष्ठी स्थल पर जमा करके रसीद प्राप्त कर लें।
2. बाह्य प्रतिभागियों के लिए स्पॉट रजिस्ट्रेशन की सुविधा उपलब्ध रहेगी।
3. आंतरिक प्रतिभागी अपना पंजीकरण 20 जुलाई, 2015 तक अवश्य करा लें तथा पंजीकरण शुल्क जमा करने के लिए डॉ० अख्तार आलम से संपर्क करें।

पंजीयन शुल्क भेजने की अंतिम तिथि : 20 जुलाई, 2015

प्रतिभागियों को दी जाने वाली सुविधाएं –
चयनित प्रतिभागियों के ठहरने एवं भोजन इत्यादि की व्यवस्था निःशुल्क की जाएगी। **किसी भी प्रतिभागी को यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।**
आवेदन फार्म की छाया प्रति भी स्वीकार की जाएगी।

मीडिया समाज में वॉच डॉग का कार्य करती है।